Regarding need to set standard Code for coaching centres in view of safety guidelines and quality as well

श्री राजेश रंजन **(**पूर्णिया**) :** माननीय अध्यक्ष जी, सवाल इस देश की बच्ची का है । तान्या हमारे बिहार की बच्ची थी । हम अपनी बहन को बता देना चाहते हैं कि मिडिल क्लास की एक बच्ची तान्या, जिसकी मौत परसों हुई है । इस संबंध में, मेरे दो आग्रह हैं । मैं न बीजेपी की और न ही आम आदमी पार्टी की आलोचना कर रहा हूँ, लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि पूरे बिहार से 60 प्रतिशत बच्चे यहाँ एसएससी और यूपीएससी की तैयारी करने आते हैं या वे कोटा जाते हैं । मेरी चिन्ता, सरकार द्वारा कोचिंग के संबंध में मानक तय नहीं होना, कोई गाइडलाइंस नहीं होना और सुरक्षा की व्यवस्था भी नहीं होती है, के बारे में है ।? (व्यवधान)

महोदय, ऐसी घटना एक बार नहीं घटी है, बल्कि बार-बार यह चर्चा आपके माध्यम से उठती है, आर इसको संरक्षित करते हैं, लेकिन कोचिंग के संबंध में कोई मानक नहीं है ।

मैं सरकार से मांग करता हूँ कि कोचिंग्स के मानक तय किये जाएं, उनके लिए गाइडलाइंस बनायी जाए, उनकी क्वालिटी में सुधार करते हुए, ताकि उनको सुरक्षित बनाया जा सके ।